

मु0न0:- 91/2024

उनवान:- ललिता देवी बनाम तहसीलदार वगै0

पत्रावली पेश हुई, वादीया वकील व तहसीलदार टोडाभीम उपरिथत, तहसीलदार टोडाभीम ने जबाब/रिपोर्ट पेश की जो शामिल पत्रावली की जाकर वादीया वकील व पैरोकार सरकार की बहस सुनी गई।

वादीया वकील ने वादपत्र में वर्णित तथ्यों का दोहरान करते हुये कथन किया कि वादपत्र में वर्णित ग्राम भूडा की आराजीयात ख0न0 197, 198 में वादीया के पति का नाम रूपसिंह दर्ज कर दिया जबकि वादीया के पति का सही नाम रूपनारायण सिंह है। एवं वादीया के दस्तावेजात में पति का नाम रूपनारायण सिंह दर्ज है। लेकिन राजस्व कर्मचारियों ने हाल जमाबन्दी में वादीया के पति का नाम रूपनारायण सिंह के स्थान पर रूपसिंह गलत दर्ज कर दिया। अतः वादीया के पति का नाम रूपसिंह के स्थान पर रूपनारायण सिंह दर्ज करने के आदेश तहसीलदार टोडाभीम को प्रदान किये जावे।

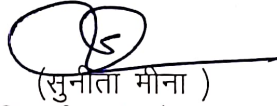
तहसीलदार टोडाभीम ने जबाब प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों का दोहरान करते हुये कथन किया कि वादपत्र में वर्णित आराजीयात में ललिता देवी पत्नि रूपसिंह दर्ज रिकार्ड है। जो कि विक्रय पत्र के नामांतरण से अमल में आया है। विक्रय पत्र में ललिता देवी पत्नि रूपसिंह अंकित है। इसलिये विक्रय पत्र अनुसार वादीया के पति का नाम शुद्ध किया जाना न्यायोचित नहीं है। इसलिये वादीया का वादपत्र खारिज फरमाया जावे।

उभयपक्ष की बहस पर मनन किया पत्रावली में शामिल दस्तावेजात का अवलोकन किया। पत्रावली में शामिल ग्राम भूडा की जमाबन्दी सम्वत 2074-77 के ख0न0 197/0.33, 198/3.05 है0 में वादीया का नाम ललिता पत्नि रूपसिंह मुताबिक जमाबन्दी में दर्ज हिस्सानुसार खातेदार काश्तकार दर्ज रिकार्ड है। तहसीलदार टोडाभीम की जबाब रिपोर्ट के साथ ग्राम भूडा के नामांतरण न0 144 दिनांक 10.11.2006 तथा नामांतरण न0 150 दिनांक 28.02.2007 में कॉलम क्रमांक 16 में मुताबिक विक्रय पत्र अनुसार वादीया के हक में नामांतरण स्वीकार हुआ है। और इसी अनुरूप तहसीलदार टोडाभीम ने अपनी जबाब व रिपोर्ट तथा बहस में कथन किया है।

उक्त विवेचन अनुसार वादीया का वादपत्र स्वीकार योग्य नहीं होने से खारिज किया जाता है।

निर्णय आज दिनांक 31.07.2024 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।

पत्रावली फैशल शुमार नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।



(सुनीता मीना)

उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर  
टोडाभीम जिला गंगापुर सिटी

